



संस्कृत सुबोध

Class
6

Teacher's Resource Book

संस्कृत सुबोध-6

1

लोकमङ्गलम्

अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

2. (क) सद्गमय, (ख) प्राण, (ग) नन्दतु।

3. (क) पश्यति, (ख) हसति, (ग) तरति, (घ) क्रीडति, (ङ) नन्दति,
(च) आनयति, (छ) नृत्यति, (ज) नयति।

4. (क) जागरणे → (i) सायम्
(ख) एकत्र → (ii) ज्योतिः
(ग) तमः → (iii) रात्रिः
(घ) प्रातः → (iv) सर्वत्र
(ङ) दिवा → (v) स्वप्ने

5. (क) एव, (ख) न, (ग) मा, (घ) यथा।

□

2

व्याकरण बोध

अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

2. (क) चार, (ख) अंतःस्थ, (ग) धातु

3. (क) कवर्ग → (i) बालकौ, बालिके, चक्रे आदि
(ख) नपुंसकलिङ्ग → (ii) द्वितीया विभक्ति
(ग) द्विवचन → (iii) षष्ठी विभक्ति
(घ) कर्म कारक → (iv) क्, ख्, ग्, घ्, ङ्
(ङ) संबंध कारक → (v) फलम्, चक्रम्, पुष्पम् आदि

4. (क) नपुंसकलिङ्ग, (ख) प्रथम, (ग) बहु, (घ) करण।

5. (क) X, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) X।

□ क्रियाकलापम्

| | | |
|----------|---------|--------|
| 1. शशांक | रत्नाकर | महाशयः |
| 2. पद् | धाव् | गम् |
| 3. एकवचन | द्विवचन | बहुवचन |
| 4. प्रथम | मध्यम | उत्तम |



3

अकारांत-पुंल्लिङ्ग-शब्दाः

अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

2. (क) (i) चषकः, (ii) सौचिकः, (iii) शुनकौ,
(iv) धावतः, (v) वृद्धाः, (vi) गायन्ति।
(ख) (i) ल् + अ + घ् + उः (ल + घु),
(ii) स् + ई + व् + य + अ + त् + इ,
(iii) व् + अ + र् + ण + आः,
(iv) क + उ + क् + क् + उ + र् + औ,
(v) म् + य् + ऊ + र् + आः,
(vi) क् + ष् + ए + त् + र + अ + म्,
(vii) श् + अ + स् + य् + आ + न + इ,
(viii) प् + अ + र् + ई + क्ष् + अ + ण् + म्।
3. (क) बलीवर्द, बलीवर्दाः, (ख) शुनकौ, शुनकाः, (ग) मृगः, मृगौ,
(घ) सौचिकः, सौचिकाः, (ङ) मयूरौः, मयूराः।
4. गजः, काकः, शशांक, तालकः, भल्लूकः, बिडालः, पर्यङ्क, दार्दुरः।
5. (क) गजाः चलन्ति।
(ख) सिंहौ गर्जतः।
(ग) गायकः गायति।
(घ) बालकौ पठतः।
(ङ) मयूराः नृत्यन्ति।
6. (क) नृत्यन्ति, (ख) गर्जतः, (ग) चलतः,
(घ) खादति, (ङ) फलन्ति, (च) धावति।
7. (क) सः, (ख) तौ, (ग) ते, (घ) ते, (ङ) ते, (च) तौ, (छ) सः, (ज) सः।

8. (i) वानरः, (ii) भल्लुकः, (iii) वृक्षः, (iv) पिकः
 (i) मीनौ, (ii) वृषभौ, (iii) देवौ, (iv) श्रमिकौ
 (i) हंसाः, (ii) रजकाः, (iii) पर्वताः, (iv) चटकाः
9. (क) सौचिकः सीव्यति।
 (ख) मालाकारः पुष्पाणि सिञ्चति।
 (ग) बलीवर्दी क्षेत्रं कर्षतः।
 (घ) वृद्धाः हसन्ति।
 (ङ) आरक्षकाः अनुशासनं स्थापयन्ति।

□ क्रियाकलापम्

1. गायक, गज, अश्व, वानर, शिष्य
 खग, सिंह, वृक्ष, फल, चिकित्सक
2. (i) सः गायकः अस्ति।
 (ii) तौ वृक्षौ स्तः।
 (iii) ते चिकित्सकाः सन्ति।
 (iv) सा बालिका नृत्यति।
 (v) इमे आरक्षकाः सन्ति।
 (vi) ते वृद्धा सन्ति।

| 3. अकारांत शब्दः | विभक्तिः | एकवचनं | द्विवचनं | बहुवचनं |
|------------------|----------|--------|----------|---------|
| सिंह | प्रथमा | सिंहः | सिंहौ | सिंहाः |
| गज | प्रथमा | गजः | गजौ | गजाः |
| वृक्ष | प्रथमा | वृक्षः | वृक्षौ | वृक्षाः |
| शिष्य | प्रथमा | शिष्यः | शिष्यौ | शिष्याः |
| वानर | प्रथमा | वानरः | वानरौ | वानराः |
| खग | प्रथमा | खगः | खगौ | खगाः |
| बालिका | प्रथमा | बालिका | बालिकौ | बालिकाः |



4

आकारांत-स्त्रीलिङ्ग-शब्दाः

अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करो।

□ लिखितम्

2. (क) (i) कुरुतः, (ii) उद्याने, (iii) स्थालिका, (iv) घटिका,
 (v) स्त्रीलिङ्गः, (vi) मापिका, (vii) मंजूषा

- (ख) (i) क् + ओ + क् + इ + ल् + ए,
(ii) न् + ऋ + त् + य् + अ + तः,
(iii) ख् + अ + ट् + व + आ,
(iv) क् + उ + र् + व + अ + न् + त् + इ,
(v) च् + अ + ट् + अ + क् + ए,
(vi) क् + उ + ज् + इ + च् + अ + क् + आ,
(vii) ध + आ + व् + इ + क + आः,
(viii) उ + त् + प् + अ + त् + अ + तः,
(ix) म् + इ + ष् + ट् + आ + न् + न् + ए,
(x) द् + व् + इ + च् + क् + र् + इ + क + आ।

3. (क) गीते, गीता:

- (ख) पेटिका, पेटिका:
(ग) खट्वः, खट्वे
(घ) ते, ताः
(ङ) रोटिका, रोटिका:

4. साइकिलः (द्विचक्रिका), बक्साः, पिपीलिका, चाबी, सारिकाः, ललना, पैमाना, मक्षिका।

5. (क) बालिका, (ख) अजे, (ग) द्विचक्रिकाः, (घ) नौका, (ङ) सूचिका, (च) मक्षिकाः।

6. (क) सा, (ख) ताः, (ग) सा, (घ) ते, (ङ) ताः, (च) ते।

7. (क) नृत्यति, (ख) ताः, (ग) विहरतः, (घ) सः, (ङ) गायतः, (च) लेखिका, (छ) लिखन्ति, (ज) सिंहोः, (झ) पश्यन्ति, (ञ) सा।

8. (क) ते निज-कारयानं चालयतः।

- (ख) वृद्धा महिला भोजनं पचति।
(ग) घटिका समयं सूचयति।
(घ) बिडाले जलं न पिबतः।
(ङ) अजाः तृणं चरन्ति।
(च) मक्षिकाः मिष्ठान्ने तिष्ठन्ति।

□ क्रियाकलापम्

| 1. आकारांत स्त्रीलिङ्ग शब्दः | अर्थ | एकवचनं | द्विवचनं | बहुवचनं |
|------------------------------|---------|--------|----------|---------|
| चटका | चिड़िया | चटका | चटके | चटकाः |
| बालिका | लड़की | बालिका | बालिके | बालिकाः |
| ललना | औरत | ललना | ललने | ललनाः |
| कोकिला | कोयल | कोकिला | कोकिले | कोकिलाः |
| अजा | बकरी | अजा | अजे | अजाः |

| 2. धातु क्रिया | हिन्दी अर्थ | एकवचनं | द्विवचनं | बहुवचनं |
|----------------|-------------|---------|----------|-----------|
| पठ् | पढ़ना | पठति | पठतः | पठन्ति |
| क्रीड् | खेलना | क्रीडति | क्रीडतः | क्रीडन्ति |
| तिष्ठ् | बैठना | तिष्ठति | तिष्ठतः | तिष्ठन्ति |
| खाद् | खाना | खादति | खादतः | खादन्ति |
| चल् | चलना | चलति | चलतः | चलन्ति |
| पच् | पकाना | पचति | पचतः | पचन्ति |
| पिब् | पीना | पिबति | पिबतः | पिबन्ति |
| गाय् | गाना | गायति | गायतः | गायन्ति |
| उत्पत् | उड़ना | उत्पतति | उत्पततः | उत्पतन्ति |
| हस् | हँसना | हसति | हसतः | हसन्ति |

3. छात्र स्वयं करें।



5

अकारांत-नपुंसकलिङ्ग-शब्दाः

अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

2. (क) (i) पर्णम्, (ii) खनित्रम्, (iii) पुराणानि, (iv) पोषकाणि, (v) कङ्कतम्।

(ख) (i) व् + य + अ + ज् + अ + न् + अ + म्,

(ii) प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ + म्,

(iii) भ् + इ + त् + त् + इ + क् + अ + म्,

(iv) न् + ऊ + त् + अ + न् + आ + न् + इ,

(v) व् + आ + त् + आ + य + अ + न् + अ + म्,

(vi) उ + प् + अ + न् + ए + त् + र् + अ + म्।

3. आम्रम्, पत्रम्, व्यजना (पंखा), बादामः

करवस्त्राणि, धागा, छत्रम्, सोपानं।

4. (क) श्रमिकाः खनित्रं चालयन्ति।

(ख) कदलीफलानि मधुराणि सन्ति।

(ग) पाटलानि विकसन्ति।

(घ) विमाने गगने उत्पततः।

(ङ) आम्राणि सुस्वादुः भवन्ति।

(च) चक्रे वेगेन भ्रमतः।

5. (क) नूतनानि, (ख) सुस्वादुः, (ग) पश्यत, (घ) विशालं, (ङ) श्रमिका,
(च) गगने।

□ क्रियाकलापम्

| 1. आकारांत नपुंसकलिङ्ग शब्दः | हिन्दी अर्थ | एकवचनं | द्विवचनं | बहुवचनं |
|------------------------------|-------------|--------|------------|-----------------------|
| पुष्पम् | | पुष्प | पुष्पम् | पुष्पे पुष्पाणि |
| चक्रम् | | पहिया | चक्रम् | चक्रे चक्राणि |
| खनित्रम् | | कुदाल | खनित्रम् | खनित्रे खनित्राणि |
| पुस्तकम् | | किताब | पुस्तकम् | पुस्तके पुस्तकाणि |
| भवनम् | | मकान | भवनम् | भवन भवनाणि |
| द्वारम् | | दरवाजा | द्वारम् | द्वारे द्वाराणि |
| पर्णम् | | पत्ता | पर्णम् | पर्णे पर्णाणि |
| करवस्त्रम् | | रुमाल | करवस्त्रम् | करवस्त्रे करवस्त्राणि |

| 2. क्रिया-धातु | हिन्दी-अर्थ | एकवचनं | द्विवचनं | बहुवचनं |
|----------------|-------------|---------|----------|-----------|
| गम् | जाना | गमति | गमतः | गमन्ति |
| कर्ष् | जोतना | कर्षति | कर्षतः | कर्षन्ति |
| पश्य् | देखना | पश्यति | पश्यतः | पश्यन्ति |
| सिञ्च् | सिंचाई करना | सिञ्चति | सिञ्चालः | सिञ्चन्ति |
| चर् | चरना | चरति | चरतः | चरन्ति |
| धाव् | दौड़ना | धावति | धावतः | धावन्ति |
| भ्रम् | घूमना | भ्रमति | भ्रमतः | भ्रमन्ति |
| गच्छ् | जाना | गच्छति | गच्छतः | गच्छन्ति |
| उड् | उड़ना | उड्डयति | उड्डयतः | उड्डयन्ति |
| नृत् | नाचना | नृत्यति | नृत्यतः | नृत्यन्ति |
| कथ् | कहना | कथति | कथतः | कथन्ति |
| लिख् | लिखना | लिखति | लिखतः | लिखन्ति |
| आगच्छ् | आना | आगच्छति | आगच्छतः | आगच्छन्ति |
| वद् | बोलना | वदति | वदतः | वदन्ति |
| रच् | बनाना | रचयति | रचतः | रचयन्ति |
| नम् | प्रणाम करना | नमति | नमतः | नमन्ति |
| वह् | बहना | वहति | वहतः | वहन्ति |
| दद् | देना | ददति | ददतः | ददन्ति |
| कथ् | कहना | कथति | कथतः | कथन्ति |
| भक्ष् | खाना | भक्षति | भक्षतः | भक्षन्ति |

6

क्रीडास्पर्धा : सर्वनाम प्रयोगः

अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

2. (क) वयं क्रीडामः, (ख) वयं नृत्यामः, (ग) यूयम् पठथ, (घ) त्वं गच्छसि,
(ङ) आवाम् सत्यं वदावः, (च) त्वं नमसि, (छ) अहं खेलामि, (ज) आवाम्
जलं पिबावः।

3. (क) अहं, (ख) आवां, (ग) युवां, (घ) युवां, (ङ) युवां, (च) वयं,
(छ) त्वं, (ज) यूयं, (झ) अहं, (ञ) यूयं।

4. (क) यूयम् शिक्षिकां नंस्यथा
(ख) वयम् चित्राणि रचयामः।
(ग) युवाम् कथां कथयथः।
(घ) अहम् दूरदर्शनं पश्यामि।
(ङ) त्वम् लेखं लिखसि।
(च) आवाम् पुस्तकं पठावः।

5. (क) एते, (ख) यूयं, (ग) ते, (घ) एषः, (ङ) सा, (च) युष्माकं (वः)

6. (क) धावथः, धावथ; यच्छावः, यच्छामः (ख) नमसि, नमथ; कर्षामि, कर्षामः
(ग) हससि, हसथः; पश्यामि, पश्यावः (घ) जिघ्रथ, जिघ्रथ; नृत्यावः, नृत्यामः
(ङ) भ्रमसि, भ्रमथ; खादामि, खादामः (च) चलसि, चलथः, रक्षामि, रक्षावः।

7. (क) विद्यालयं, (ख) शची, (ग) मम, (घ) चलचित्रं, (ङ) कृष्ण।

8. (क) विद्यालये बालिकाः बालकाः च मिलित्वा क्रीडिष्यन्ति।
(ख) कृष्णः प्रबन्धस्य अभावात् क्रीडितुं न शक्नोति।

□ क्रियाकलापम्

1. पाँच धातुएँ—पठ्, पश्य्, नृत्, खाद्, क्रीड्।

लट्लकारः—पठ्धातुः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथम | पठति | पठतः | पठन्ति |
| मध्यम | पठसि | पठथः | पठथ |
| उत्तम | पठामि | पठावः | पठामः |

पश्य् धातुः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथम | पश्यति | पश्यतः | पश्यन्ति |
| मध्यम | पश्यसि | पश्यथः | पश्यथ |
| उत्तम | पश्यामि | पश्यावः | पश्यामः |

नृत्य् धातुः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|----------|-----------|-----------|
| प्रथम | नृत्यति | नृत्यतः | नृत्यन्ति |
| मध्यम | नृत्यसि | नृत्यथः | नृत्यथ |
| उत्तम | नृत्यामि | नृत्यावः | नृत्यामः |

खाद् धातुः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथम | खादति | खादतः | खादन्ति |
| मध्यम | खादसि | खादथः | खादथ |
| उत्तम | खादामि | खादावः | खादामः |

क्रीड् धातुः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|----------|-----------|-----------|
| प्रथम | क्रीडति | क्रीडतः | क्रीडन्ति |
| मध्यम | क्रीडसि | क्रीडथः | क्रीडथ |
| उत्तम | क्रीडामि | क्रीडावः | क्रीडामः |

2. अहं शुकः अस्मि। त्वम् पिकः असि।
त्वाम् वृक्षः हरित वर्णम् असि। अहं बकः अस्मि।
अहम् मत्स्यः अस्मि। त्वम् क्रीडकः असि।
अहं छात्रः अस्मि। त्वं शिक्षकः असि।
अहं गजः अस्मि। त्वम् सिंहः असि।
3. छात्र स्वयं करें। □

7

वृक्षाः

अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

2. (क) लता, (ख) चित्रम्, (ग) चटका, (घ) मोदकम्।

3. (क) वने, वनान्, वनं, प्रथम, (ख) जलम्, जलान्, जल्, प्रथम, (ग) बिम्बौ, बिम्बान्, बिम्बं, प्रथम, (घ) वृक्ष, प्रथम, (ङ) पवन, पवने, पवन्, प्रथम, (च) जनः, जनाः, जन् प्रथम।
4. (क) वृक्षाः, (ख) विहगाः, (ग) वृक्षाः, (घ) कृषकः, (ङ) सरोवरे।
5. गजः गजाः पुंल्लिङ्ग
 अश्वौ, अश्वाः, पुंल्लिङ्ग
 सूर्यम्, सूर्यान्, पुंल्लिङ्ग
 चन्द्रम्, चन्द्रौ, पुंल्लिङ्ग
 बिडाले, बिडालाभ्याम्, स्त्रीलिङ्ग
 मण्डूके, मण्डूकैः, पुंल्लिङ्ग
 सर्पाभ्याम्, सर्पेभ्यः, पुंल्लिङ्ग
 वानराय, वानरेभ्यः, पुंल्लिङ्ग
 मोदकाभ्याम्, मोदकेभ्यः, पुंल्लिङ्ग
 वृक्षात्, वृक्षाभ्याम्, पुंल्लिङ्ग
 पुंल्लिङ्ग
 शुकस्य, शुकयोः!, पुंल्लिङ्ग
 शिक्षकयोः, पुंल्लिङ्ग
 मयूरे, मयूरेषु, पुंल्लिङ्ग
 पुंल्लिङ्ग
 हे नर्तकौ!, हे नर्तकाः!, पुंल्लिङ्ग
6. (क) रोटिकाम्, (ख) जलम्, (ग) दूरदर्शनम्, (घ) पवनम्, (ङ) कथाम्, (च) जंतुशालाम्।
7. (क) मूलं, (ख) वनं वनं, (ग) वृक्षे, (घ) स्वप्रतिबिम्बम्।
8. (क) विहगैः वृक्षाः कूजन्ति।
 (ख) वृक्षाः पवनं वहन्ति।
 (ग) वृक्षाः प्राणिनां सत्कारं प्रसार्य स्वच्छायासंस्तरणम्।

□ क्रियाकलापम्

1. क्रिया-पद-पिबन्ति

धातु-पिब्

लट् लकारः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथम | पिबति | पिबतः | पिबन्ति |
| मध्यम | पिबसि | पिबथः | पिबथ |
| उत्तम | पिबामि | पिबावः | पिबामः |

लृट् लकारः

| | | | |
|--------|-------------|------------|-------------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | पिबिष्यति | पिबिष्यतः | पिबिष्यन्ति |
| मध्यम | पिबिष्यसि | पिबिष्यथः | पिबिष्यथ |
| उत्तम | पिबिष्यामिः | पिबिष्यावः | पिबिष्यामः |

लङ् लकारः

| | | | |
|--------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | अपिबत् | अपिबताम् | अपिबतान् |
| मध्यम | अपिबः | अपिबतम् | अपिबत |
| उत्तम | अपिबम् | अपिबाव | अपिबाम् |

लोट् लकारः

| | | | |
|--------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | पिबतु | पिबताम् | पिबन्तु |
| मध्यम | पिब | पिबतम् | पिबत् |
| उत्तम | पिबानि | पिबाव | पिबाम् |

विधिलिङ् लकारः

| | | | |
|--------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | पिबेत् | पिबेताम् | पिबेयुः |
| मध्यम | पिबेः | पिबेतम् | पिबेत |
| उत्तम | पिबेयम् | पिबेव | पिबेम |

2.

सर्वं पुल्लिङ्ग शब्द के रूप

| | | | |
|----------|------------|-------------|-----------|
| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमा | सर्वः | सर्वौ | सर्वे |
| द्वितीया | सर्वम् | सर्वौ | सर्वान् |
| तृतीया | सर्वेण | सर्वाभ्याम् | सर्वैः |
| चतुर्थी | सर्वस्मै | सर्वाभ्याम् | सर्वेभ्यः |
| पंचमी | सर्वस्मात् | सर्वाभ्याम् | सर्वेभ्यः |
| षष्ठी | सर्वस्य | सर्वयोः | सर्वेषाम् |
| सप्तमी | सर्वस्मिन् | सर्वयोः | सर्वेषु |

सर्वं स्त्रीलिङ्ग शब्द के रूप

| | | | |
|----------|----------|-------------|-----------|
| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमा | सर्वा | सर्वे | सर्वाः |
| द्वितीया | सर्वाम् | सर्वे | सर्वाः |
| तृतीया | सर्वया | सर्वाभ्याम् | सर्वाभिः |
| चतुर्थी | सर्वस्यै | सर्वाभ्याम् | सर्वाभ्यः |

| | | | |
|--------|------------|-------------|-----------|
| पंचमी | सर्वस्याः | सर्वाभ्याम् | सर्वाभ्यः |
| षष्ठी | सर्वस्याः | सर्वयोः | सर्वासाम् |
| सप्तमी | सर्वस्याम् | सर्वयोः | सर्वासु |

सर्व नपुंसकलिङ्ग शब्द के रूप

| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|---------------|-------------|-----------|
| प्रथमा | सर्वम् | सर्वे | सर्वाणि |
| द्वितीया | सर्वम् | सर्वे | सर्वाणि |
| तृतीया | सर्वेण | सर्वाभ्याम् | सर्वैः |
| चतुर्थी | सर्वस्मै | सर्वाभ्याम् | सर्वेभ्यः |
| पंचमी | सर्वस्मात् | सर्वाभ्याम् | सर्वेभ्यः |
| षष्ठी | षष्ठी सर्वस्य | सर्वयोः | सर्वेषाम् |
| सप्तमी | सर्वस्मिन् | सर्वयोः | सर्वेषु |



8

समुद्रतटः

अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

- छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

- (क) म् + अ + त् + स् + य + अ + ज् + ई + व् + इ + न् + अः
(ख) स् + व् + अ + ज् + ई + व् + इ + क + आ + म्
(ग) व + इ + द् + ए + श् + इ + प + अ + र + य् + अ + ट् + अ + क + ए + यः
(घ) ब् + अ + ड् + ग् + ओ + प् + अ + स् + आ + ग् + अ + रः
(ङ) द् + अ + क्ष् + इ + ण + अ + द् + इ + श् + आ + य + आ + म्
(च) प् + ऊ + र् + ण् + इ + म् + आ + य् + आ + म्।
- (क) संज्ञमः, (ख) प्रायद्वीपः, (ग) पर्यटनाय, (घ) क्रीडा, (ङ) बङ्गोपसागरः।
- (क) ज्ञानाय विद्या, (ख) पोषणाय दुग्धम्, (ग) प्रकाशाय दीपकः, (घ) पर्यटनाय समुद्रतटः, (ङ) क्रीडनकम खेलनाय।
2. रहीमः आपणं द्विचक्रि गच्छति।
3. रहीमः कलमेण पत्रम् लिखति।
4. रहीमः हस्तकन्दुकेन क्षिपति।
5. रहीमः नौकेण जलविहारं करोति।
6. रहीमः चषकेण जलं पिबति।

7. रहीमः तुलिकेन चित्रम् रचयति।
 8. रहीमः वायुयाने ह्य आगच्छत।
6. (क) निर्धनाय, (ख) पटनाय, (ग) परोपकाराय, (घ) छात्राणाम्।
7. (क) मित्रेण, रहीमः मित्रेण सह क्रीडति।
 (ख) द्विचक्रिकेण, राजीवः द्विचक्रिकेण आपणं गच्छति।
 (ग) नौकेण, दीपकः नौकेण जलविहारं करोति।
 (घ) चषकेण, अमरः चषकेण जलं पिबति।
 (ङ) कमलेण, राजेशः कमलेण पत्रं लिखति।
 (च) हस्तेण, राकेशः हस्तेण कन्दुकं क्षिपति।
8. (क) समुद्रतटे, (ख) चैन्नईनगरम्, (ग) जुहूतटे, (घ) बालुका गृहम्,
 (ङ) नारिकेलफलेभ्यः, (च) पर्यटनाय, (छ) बालुका गृहम्, (ज) गोवाः,
 (झ) चैन्नईनगरम्।
9. (क) मध्ये मध्ये तरङ्गाः बालुका गृहम् प्रवहन्ति।
 (ख) जुहू-तटे जनाः स्वैरं विहरन्ति।
 (ग) कन्याकुमारीतटे पूर्णिमायां चन्द्रोदयः सूर्यास्त च युगपदेव द्रष्टुं शक्यते।

□ क्रियाकलापम्

1. छात्र स्वयं करें।

2.

तटः

| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|---------|-----------|----------|
| प्रथमा | तटः | तटौ | तटाः |
| द्वितीया | तटम् | तटौ | तटान् |
| तृतीया | तटेन | तटाभ्याम् | तटैः |
| चतुर्थी | तटाय | तटाभ्याम् | तटेभ्यः |
| पञ्चमी | तटात् | तटाभ्याम् | तटेभ्यः |
| षष्ठी | तटस्य | तटयोः | तटानाम् |
| सप्तमी | तटे | तटयोः | तटेषु |

नौका

| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|----------|------------|----------|
| प्रथमा | नौका | नौके | नौकाः |
| द्वितीया | नौकाम् | नौके | नौकाः |
| तृतीया | नौकया | नौकाभ्याम् | नौकाभिः |
| चतुर्थी | नौकायै | नौकाभ्याम् | नौकाभ्यः |
| पञ्चमी | नौकायाः | नौकाभ्याम् | नौकाभ्यः |
| षष्ठी | नौकायाः | नौकयोः | नौकानाम् |
| सप्तमी | नौकायाम् | नौकयोः | नौकाषु |

कन्दुक

| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|-----------|---------------|-------------|
| प्रथमा | कन्दुकम् | कन्दुके | कन्दुकाणि |
| द्वितीया | कन्दुकम् | कन्दुके | कन्दुकाणि |
| तृतीया | कन्दुकेन | कन्दुकाभ्याम् | कन्दुकैः |
| चतुर्थी | कन्दुकाय | कन्दुकाभ्याम् | कन्दुकेभ्यः |
| पञ्चमी | कन्दुकात् | कन्दुकाभ्याम् | कन्दुकेभ्यः |
| षष्ठी | कन्दुकस्य | कन्दुकयोः | कन्दुकाणाम् |
| सप्तमी | कन्दुके | कन्दुकयोः | कन्दुकेषु |

□

9

बकस्य प्रतीकारः

अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

- (क) (ii) निमन्त्रणेन, (ख) (i) बकः,
(ग) (iii) क्षीरोदनम्, (घ) (i) बकेन निमन्त्रणेन।
- पिपासितः, इतस्ततः, कुत्रापि, स्वल्पम्, पातुम्, उपायम्, पाषाणस्य, उपरि, सन्तुष्टः,
कार्याणि, मनोरथैः।
- (क) प्रातः, (ख) सर्वदा, (ग) कदा, (घ) अपि, (ङ) अधुना, (च) अद्य।
- (क) दुःखदम्, (ख) सद्व्यवहारः, (ग) मित्रता, (घ) प्रातः, (ङ) प्रसन्नः,
(च) समर्थः, (छ) बलेन, (ज) दिवसो, (झ) तादृश्यं, (ञ) कदा।
- (क) शृगालः, (ख) वानरः, (ग) काकः, (घ) बकः, (ङ) मक्षिका,
(च) चञ्चवा, (छ) श्रवेणु, (ज) नासिका।
- (क) बकः, (ख) बकः, (ग) कलशात्, (घ) कुटिल स्वभावः।
- (क) वने शृगालः बकः च निवसतः स्म।
(ख) भोजनकाले बकस्य चञ्चु स्थालीतः भोजनग्रहणे समर्था न अथवत्। सः केवलम्
क्षीरोदनम् अपश्यत्।
(ग) यथा अनेन मया सह व्यवहारः कृतः तथा अहम् अपि तेन सह व्यवहरिष्यामि।

□ क्रियाकलापम्

1.

क्रिया-पद करिष्यसि की धातु-कृ

लट् लकारः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|-----------|
| प्रथम | करोति | कुरुतः | कुर्वन्ति |
| मध्यम | करोसि | कुरुथः | कुरुथ |
| उत्तम | करोमि | कुर्वः | कुर्मः |

लृट् लकारः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|-----------|-----------|------------|
| प्रथम | करिष्यति | करिष्यतः | करिष्यन्ति |
| मध्यम | करिष्यसि | करिष्यथः | करिष्यथ |
| उत्तम | करिष्यामि | करिष्यावः | करिष्यामः |

लङ् लकारः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|----------|-----------|----------|
| प्रथम | अकरोत् | अकुरुताम् | अकुर्वन् |
| मध्यम | अकरोः | अकुरुतम् | अकुरुत |
| उत्तम | अकुर्वम् | अकुर्व | अकुर्म |

लोट् लकारः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|-----------|
| प्रथम | करोतु | कुरुताम् | कुर्वन्तु |
| मध्यम | कुरु | कुरुतम् | कुरुत |
| उत्तम | करवाणि | करवाव | करवाम |

विधिलिङ् लकारः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|----------|------------|----------|
| प्रथम | कुर्यात् | कुर्याताम् | कुर्युः |
| मध्यम | कुर्याः | कुर्यातम् | कुर्यात |
| उत्तम | कुर्याम् | कुर्याव | कुर्याम |

2. छात्र स्वयं करें।

□

10

सूक्तिस्तबकः

अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

2. (क) इति, (ख) आम्, (ग) आम्, (घ) इति, (ङ) इति।
3. (क) (v) तस्मात् प्रियं हि वक्तव्यं वचने का दरिद्रता।
(ख) (iv) गच्छन् पिपीलको याति योजनानां शतान्यपि।
(ग) (i) प्रियवाक्यपदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
(घ) (ii) किं भवेत् तेन पाठेन जीवने यो न सार्थकः।
(ङ) (iii) काकः कृष्णः पिकः कृष्णः को भेदः पिककाकयोः।
4. (क) कथने, (ख) स्वीकर्तव्यम्, (ग) गरुड, (घ) प्रसीदन्ति, (ङ) ग्रन्थे,
(च) भासनम्, (छ) सूर्यस्य, (ज) गच्छति, (झ) कोकिलः, (ञ) उचितम्।
5. (क) गच्छति, (ख) सार्थकः, (ग) कृष्णः, (घ) उक्तम्, (ङ) अदृष्टे,
(च) निर्धनता, (छ) प्रदीपस्य, (ज) ज्ञानीः।
6. (क) भू प्रथम विधिलिङ्ग एकवचनम्
(ख) तुष् प्रथम लट् बहुवचनम्
(ग) या (चेष्टा करना) प्रथम लट् एकवचनम्
(घ) गम् प्रथम लट् एकवचनम्
(ङ) गम् प्रथम लङ् बहुवचनम्
7. (क) मनीषिभिः, (ख) वसन्त समये, (ग) पिपीलको, (घ) प्रियं ही वक्तव्यं,
(ङ) रवेरविषये, (च) पुस्तके, (छ) जीवने, (ज) वचने, (झ) वैनतेयः,
(ञ) काकः कृष्णः, पिकः कृष्णः।
8. (क) बालादपि ग्रही त्वयं युक्तं मुक्तं मनीषिभिः।
(ख) पुस्तके पठितः पाठः जीवने नैव साधितः।
(ग) प्रियवाक्यपदानेन सर्वमानवाः तुष्यन्ति।
(घ) गच्छन् पिपीलिकः याति करोति।

□ क्रियाकलापम्

1. क्रियापद-याति की धातु-या

लट् लकारः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथम | याति | यातः | यान्ति |
| मध्यम | यासि | याथः | याथ |
| उत्तम | यामि | यावः | यानः |

लृट् लकारः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|----------|-----------|-----------|
| प्रथम | याष्यति | याष्यतः | याष्यन्ति |
| मध्यम | याष्यसि | याष्यथः | याष्यथ |
| उत्तम | याष्यामि | याष्यावः | याष्यामः |

| लङ् लकारः | | | |
|----------------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | अयात् | अयाताम् | अयान् |
| मध्यम | अयाः | अयातम् | अयात |
| उत्तम | अयाम् | अयाव | अयाम |
| लोट् लकारः | | | |
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | यातु | याताम् | यान्तु |
| मध्यम | या | यातम् | यात |
| उत्तम | यानि | याव | याम |
| विधिलिङ् लकारः | | | |
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | येत् | येताम् | येयुः |
| मध्यम | येः | येतम् | येत |
| उत्तम | येयम् | येव | येम |

2. छात्र स्वयं करें।
3. छात्र स्वयं करें।

□

11

अङ्गुलीयकं प्राप्तम्

अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

2. (क) अस्य, (ख) राज्ञः, (ग) जातिः, (घ) मारयत, (ङ) पृष्टा।
3. (क) कोषात्, (ख) हिमालयात्, (ग) नरस्य, (घ) अलकनन्दया, (ङ) नगरस्य।
4. (क) प्र विश प्रथम लट् बहुवचनम्
(ख) प्र सीद प्रथम लोट् बहुवचनम्
(ग) कथ यतु प्रथम लोट् एकवचनम्
(घ) आज्ञा पय प्रथम लोट् एकवचनम्
(ङ) मार यत् प्रथम विधिलिङ् एकवचनम्
(च) म उञ्चत् प्रथम विधिलिङ् एकवचनम्
5. 2. छात्रा प्रचार्यात् पुरस्कारम् प्राप्नोति।
3. छात्रा गृहात् विद्यालयम् आगच्छति।
4. छात्रा पुस्तकालयात् पुस्तकानि आनयति।
5. छात्रा कूपयात् जलम् नयति।

6. छात्रा आयणात् क्रीडनकानि क्रीणाति।
 7. छात्रा वनात् काष्ठानि आनयति।
 8. छात्रां शिक्षकात् पुस्तकानि स्वीकारोति।
 6. (क) मत्स्यविक्रयेण, (ख) राज्ञः, (ग) मांसस्यं, (घ) धीवरः।
 7. (क) श्यालः सूचकं रक्षकौ आज्ञापयति।
 (ख) सर्वे क्रमेण कथयतु। एनं मध्ये मा निवारय।
 (ग) धीवरेण राजकुलम गच्छामः तत्रैव अस्य निर्णय भविष्यति।

□ क्रियाकलापम्

1.

क्रिया-पद करिष्यसि की धातु-कृ

लट् लकारः

| | | | |
|--------|---------|-----------|-----------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | करोति | कुरुतः | कुर्वन्ति |
| मध्यम | करोसि | कुरुथः | कुरुथ |
| उत्तम | करोमि | कुर्वः | कुर्मः |

लृट् लकारः

| | | | |
|--------|-----------|-----------|------------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | करिष्यति | करिष्यतः | करिष्यन्ति |
| मध्यम | करिष्यसि | करिष्यथः | करिष्यथ |
| उत्तम | करिष्यामि | करिष्यावः | करिष्यामः |

लङ् लकारः

| | | | |
|--------|----------|-----------|----------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | अकरोत् | अकुरुताम् | अकुर्वन् |
| मध्यम | अकरो | अकुरुतम् | अकुरुत |
| उत्तम | अकुर्वम् | अकुर्व | अकुर्म |

लोट् लकारः

| | | | |
|--------|---------|-----------|-----------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | करोतु | कुरुताम् | कुर्वन्तु |
| मध्यम | कुरु | कुरुतम् | कुरुत |
| उत्तम | करवणि | करवाव | करवाम |

विधिलिङ् लकारः

| | | | |
|--------|----------|------------|----------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | कुर्यात् | कुर्याताम् | कुर्युः |
| मध्यम | कुर्याः | कुर्यातम् | कुर्यात |
| उत्तम | कुर्याम् | कुर्याव | कुर्याम |

2. छात्र स्वयं करें।



अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

2. (क)—(v), (ख)—(i), (ग)—(iv), (घ)—(iii),
(ङ)—(ii), (च)—(vii), (छ)—(vi)

3. (क) आम्, (ख) न, (ग) आम्, (घ) न, (ङ) आम्, (च) न।

4. (क) वस्त्राणि, (ख) प्रदाय, (ग) रविः, (घ) रोद्धुम्, (ङ) पिपासा,
(च) उपानहौ, (छ) अधिकम्, (ज) परिश्रमिणः, (झ) जर्जरम्, (ञ) चरणयोः।

5. (क) दुःखम्, (ख) नीत्वा, (ग) पार्श्वे, (घ) अनित्यम्, (ङ) धनिकम्,
(च) अलसौ, (छ) अक्षमम्, (ज) नवीनम्, (झ) शीते, (ञ) हस्तयोः।

| | | | | | |
|--------|-------|--------|---------|------------|-----------|
| 6. (क) | (i) | शीतकाल | चतुर्थी | स्त्रीलिंग | एकवचनम् |
| | (ii) | कुदाल | तृतीया | पुल्लिंग | एकवचनम् |
| | (iii) | पादप | सप्तमी | पुल्लिंग | द्विवचनम् |
| | (iv) | सर्व | पंचमी | पुल्लिंग | बहुवचनम् |
| (ख) | (i) | वर्षा | प्रथम | लोट् | बहुवचनम् |
| | (ii) | कर्षत | मध्यम | लट् | द्विवचनम् |
| | (iii) | स्था | प्रथम | लट् | एकवचनम् |
| | (iv) | नश्य | प्रथम | लट् | एकवचनम् |

7. (क) ग्रीष्म, (ख) कम्पमयं, (ग) जीर्णम्, (घ) कृषिकाणं, (ङ) श्रमेण,
(च) शुष्का या सरसा।

8. (क) कृषकाः बलीवर्दोः क्षेत्राणि कर्षन्ति।
(ख) कर्मवीरत्वं कृषिकाणां न नश्यति।
(ग) कृषकः सदा कर्मठौ भवतः।
(घ) कृषकाः शाकम्भनं फलं दुग्धं दत्त्वा सर्वेभ्यः।
(ङ) धरित्री शुष्का आसीत्।
(च) कृषिकाणां जीवनं निर्धनम् भवति।

□ क्रियाकलापम्

1. छात्र स्वयं करें।

2. छात्र स्वयं करें।



अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

2. (क) मन्दिर, सप्तमी
 (ख) अवसरोः, अवसरेषु, अवसर, सप्तमी
 (ग) स्थलये, स्थलेषु, स्थल, सप्तमी
 (घ) दिवसे, दिवसो, दिवस, सप्तमी
 (ङ) क्षेत्रो, क्षेत्रेषु, क्षेत्रम्, सप्तमी
 (च) व्यजने, व्यजनेषु, व्यजना, सप्तमी
 (छ) पुष्पे, पुष्पयोः, पुष्पेषु, पुष्प, सप्तमी
3. (क) भारते, (ख) सरोवरे, (ग) मन्दिरे, (घ) नीडेपु, (ङ) प्रयोगशालायाम्,
 (च) उद्याने।
4. अधोलिखितपदानि आधृत्य सार्थकवाक्यानि रचयत। (नीचे लिखे पदों के आधार पर सार्थक वाक्य बनाइए।)
 (क) वानराः वृक्षेषु कूर्दन्ति।
 (ख) सिंहाः वनेषु गर्जन्ति।
 (ग) मयूराः उद्याने नृत्यन्ति।
 (घ) मत्स्याः जले तरन्ति।
 (ङ) खगाः आकाशे उत्पतन्ति।
5. (क) विद्यालये, (ख) रामलक्ष्मणयोः, (ग) उद्यानेषु, (घ) पञ्जरेषु,
 (ङ) गङ्गायाम्, (च) आकाशे, (छ) पुष्पेषु, (ज) वृक्षयोः, (झ) आम्रवृक्षे,
 (ञ) देवालयेषु।
6. (क) सरोवरे, (ख) तडागे, (ग) शिविरे, (घ) राजमार्गे, (ङ) धरे,
 (च) क्रीडाक्षेत्रे।
7. (क) पुष्पोत्सवः, (ख) ऑक्टोबर्मासे, (ग) नाम्ना उत्सवः, (घ) पुष्पोत्सवः,
 (ङ) पतंगानाम्, (च) स्वतन्त्रताप्राप्तेः।
8. (क) जनाः पुष्पव्यजनानि योगमाया मन्दिरे।
 (ख) भारते नाम्ना उत्सवाः भवन्ति।
 (ग) पुष्पोत्सवः जनान् आनन्दयति ऑक्टोबर्मासे।
 (घ) पुष्पोत्सवः फूलों वालों की सैर नाम्ना प्रसिद्धः अस्ति।
 (ङ) मेहरौलीक्षेत्रे योगमायामन्दिरे बख्तियार-काकी समाधि स्थलश्च अस्ति।

□ क्रियाकलापम्

1. क्रिया-पद अर्पयन्ति की धातु-अर्पय्

लट् लकारः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|----------|-----------|-----------|
| प्रथम | अर्पयति | अर्पयतः | अर्पयन्ति |
| मध्यम | अर्पयसि | अर्पयथः | अर्पयथ |
| उत्तम | अर्पयामि | अर्पयावः | अर्पयामः |

लृट् लकारः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|-------------|-------------|--------------|
| प्रथम | अर्पिष्यति | अर्पिषयतः | अर्पिष्यन्ति |
| मध्यम | अर्पिष्यसि | अर्पिष्यथः | अर्पिष्यथ |
| उत्तम | अर्पिष्यामि | अर्पिष्यावः | अर्पिष्यामः |

लङ् लकारः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|-----------|
| प्रथम | आर्पयत् | आर्पयताम् | आर्पयतान् |
| मध्यम | आर्पयः | आर्पयतम् | आर्पयत |
| उत्तम | आर्पयम् | आर्पयाव | आर्पयाम् |

लोट् लकारः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|----------|-----------|-----------|
| प्रथम | अर्पयतु | अर्पयताम् | अर्पयन्तु |
| मध्यम | अर्पय | अर्पयतम् | अर्पयत् |
| उत्तम | अर्पयानि | अर्पयाव | अर्पयाम् |

विधिलिङ् लकारः

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|-----------|-------------|-----------|
| प्रथम | अर्पयेत् | अर्पर्यताम् | अर्पयेयुः |
| मध्यम | अर्पयेः | अर्पयेतम् | अर्पयेत |
| उत्तम | अर्पयेयम् | अर्पयेव | अर्पयेम |

2. पाठ में प्रयुक्त शब्द 'देहल्याः' देहली शब्द की पञ्चमी विभक्ति का एकवचन है।

इसमें सभी रूप निम्न प्रकार हैं—

| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|---------|-------------|----------|
| प्रथम | देहली | देहल्यौ | देहलयः |
| द्वितीया | देहलीम् | देहल्यौ | देहलीः |
| तृतीय | देहल्या | देहलीभ्याम् | देहलीभिः |

| | | | |
|---------|-----------|-------------|-----------|
| चतुर्थी | देहल्यै | देहलीभ्याम् | देहलीभ्यः |
| पञ्चमी | देहल्याः | देहलीभ्याम् | देहलीभ्यः |
| षष्ठी | देहल्याः | देहल्योः | देहलीनाम् |
| सप्तमी | देहल्याम् | देहल्योः | देहलीषु |

□

14

दशमः त्वम् असि

अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

- (क) स्नानम्, (ख) स्वम्, (ग) बालकानां नायकः, (घ) नव, (ङ) बालकाः।
- (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✗, (घ) ✓, (ङ) ✗, (च) ✓, (छ) ✗, (ज) ✗।
- (क) तीर्त्वा, (ख) दृष्ट्वा, (ग) ग्रहीत्वा, (घ) श्रुत्वा, (ङ) गणयित्वा, (च) कृत्वा।
- अष्टौ, एकम्, त्रिसः, द्वौ, षट्, दश, द्वे, षट्।
- (क) गच्छन्ति स्म। (ख) कुर्वन्ति स्म। (ग) पृच्छति स्म। (घ) गणयति स्म। (ङ) वदति स्म। (च) असन्ति स्म। (छ) तिष्ठन्ति स्म। (ज) गच्छति स्म।
- (क) दश, (ख) नदे, (ग) स्वं, (घ) पथिकः, (ङ) त्वं बालकान् गणयः।
- (क) वयं दश बालकाः स्नातुम् आगताः।
(ख) ते दुःखिताः तूष्णीम् अतिष्ठन्।
(ग) बालकाः! युष्माकं दुःखस्य कारणं किम्।
(घ) ते निश्चयम् अकुर्वन् यत दशम् नद्यां मग्नः।
(ङ) त्वं बालकान् गणय।
(च) पथिकः अवदत् दशमः त्वमं असि इति।

□ क्रियाकलापम्

1. क्रिया-पद अगणयत् की धातु गण् है। इसके सभी लकार-पुरुष-वचन में रूप निम्न प्रकार हैं—

लट् लकारः

| | | | |
|--------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | गणयति | गणयतः | गणयन्ति |
| मध्यम | गणयसि | गणयथः | गणयथ |
| उत्तम | गणयामि | गणयावः | गणयामः |

लृट् लकारः

| | | | |
|--------|-----------|-----------|------------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | गणिष्यति | गणष्यतः | गणिष्यन्ति |
| मध्यम | गणिष्यसि | गणिष्यथः | गणिष्यथ |
| उत्तम | गणिष्यामि | गणिष्यावः | गणिष्यामः |

लङ् लकारः

| | | | |
|--------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | अगणयत् | अगणयताम् | अगणयतान् |
| मध्यम | अगणयः | अगणयताम् | अगणयत |
| उत्तम | अगणयम् | अगणयाव | अगणयाम |

लोट् लकारः

| | | | |
|--------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | अगणयतु | अगणयताम् | अगणयन्तु |
| मध्यम | अगणय | अगणयतम् | अगणयत |
| उत्तम | अगणयानि | अगणयाव | अगणयाम |

विधिलिङ् लकारः

| | | | |
|--------|----------|-----------|----------|
| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथम | अगणयेत् | अगणयेताम् | अगणयेयुः |
| मध्यम | अगणयेः | अगणयेतम् | अगणयेत |
| उत्तम | अगणयेयम् | अगणयेव | अगणयेम |

2. छात्र स्वयं करे

ईकारान्त-स्त्रीलिङ्ग-शब्दः

नदी

| | | | |
|-----------|---------|-----------|-----------|
| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमा | नदी | नद्यौ | नद्यः |
| द्वितीया | नदीम् | नद्यौ | नदीः |
| तृतीया | नद्या | नदीभ्याम् | नदीभिः |
| चतुर्थी | नद्यै | नदीभ्याम् | नदीभ्यः |
| पञ्चमी | नद्याः | नदीभ्याम् | नदीभ्यः |
| षष्ठी | नद्याः | नद्योः | नदीनाम् |
| सप्तमी | नद्याम् | नद्योः | नदीषु |
| सम्बोधनम् | हे नदि! | हे नद्यौ! | हे नद्यः! |



अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करे।

□ लिखितम्

2. (क) (ii) आकाशम्, (ख) (iii) धराम्, (ग) (iv) वृद्धाम्, (घ) (i) स्वामी।

3. (क) हस्ते (v) करे
 (ख) सद्यः (iv) शीघ्रम्
 (ग) सहसा (i) अकस्मात्
 (घ) धनम् (vi) द्रविणम्
 (ङ) आकाशम् (iii) गगनम्
 (च) धराम् (ii) पृथ्वीम्

4. (क) मूर्खः, (ख) दुःखितः, (ग) नेतुम्, (घ) नीचैः, (ङ) प्रविशति,
 (च) विलम्बम्, (छ) सेवक, (ज) अलसः।

5. (क) च, (ख) उच्चैः, (ग) अपि, (घ) एव,
 (ङ) विना, (च) एवम्, (छ) इतस्ततः, (ज) इवा।

6. (क) पङ्कजः परिश्रमी अस्ति। (ख) अहम् शिक्षकाय धनं ददिष्यामि।
 (ग) परिश्रमी जनः धनम् प्राप्नोति। (घ) स्वामी उच्चैः अवदत्।
 (ङ) पङ्कजः पेटिकां ग्रहणिष्यति। (च) त्वम् उच्चैः अपठ।

7. (क) (vi)

(ख) (i)
 (ग) (iii)
 (घ) (ii)
 (ङ) (v)
 (च) (iv)

8. (क) अवकाशं, (ख) पङ्कजः, (ग) वृद्धा, (घ) ललाटे, (ङ) स्वामी,
 (च) गृहं।

9. (क) पङ्कजस्य स्वामी अवकाशस्य वेतनं धनं दातुं अचिनतयत्।
 (ख) वृद्धा विचारयति स्वामी पङ्कजाय धनं दातुं न इच्छति।
 (ग) स्वामी पङ्कजाय अवकाशस्य वेतनं दातुं न इच्छति।
 (घ) स्वामी अन्ते तस्मै अवकाशस्य वेतनस्य च पूर्णधनं ददाति।

□ क्रियाकलापम्

1. छात्र स्वयं करें

2.

| विभक्तिः | आकारान्त स्त्रीलिङ्ग शब्दः-वृद्धा | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|-----------------------------------|--------------|--------------|------------|
| प्रथमा | वृद्धा | वृद्धे | वृद्धे | वृद्धाः |
| द्वितीया | वृद्धाम् | वृद्धे | वृद्धे | वृद्धाः |
| तृतीया | वृद्धया | वृद्धाभ्याम् | वृद्धाभ्याम् | वृद्धाभिः |
| चतुर्थी | वृद्धायै | वृद्धाभ्याम् | वृद्धाभ्याम् | वृद्धाभ्यः |
| पञ्चमी | वृद्धायाः | वृद्धाभ्याम् | वृद्धाभ्याम् | वृद्धाभ्यः |
| षष्ठी | वृद्धायाः | वृद्धयोः | वृद्धयोः | वृद्धानाम् |
| सप्तमी | वृद्धायाम् | वृद्धयोः | वृद्धयोः | वृद्धाषु |

16

मातुलचन्द्र!!

अभ्यासकंठी

□ लिखितम्

2. (क) (iv)

(ख) (i)

(ग) (ii)

(घ) (v)

(ङ) (iii)

3. (क) वर्धय, (ख) मातुलचन्द्र, (ग) नैव दृश्यते, (घ) मह्यं, (ङ) भो! मम,
(च) मातुलचन्द्र।

4. (क) कुत्र, (ख) कदा, (ग) कुतः, (घ) कीदृशं, (ङ) किम्।

5. (क) मातुल, (ख) काकः, (ग) मयूरः, (घ) वानरः, (ङ) नक्षत्रः, (च) रासभः,
(छ) कोकिलः, (ज) शृगालः, (झ) कपोतः (ञ) दिवस।

6. (क) चन्द्रमाः, (ख) अतिशयविस्तृतः, (ग) स्नेहं, (घ) श्रावयगीतम्,
(ङ) तारकखचितं, (च) किन्नायास्यसि।

□ क्रियाकलापम्

1. छात्र स्वयं करें

2.

| विभक्तिः | आकारान्त नपुंसकलिङ्ग शब्दः-वृद्धा | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|-----------------------------------|---------|-----------|----------|
| प्रथमा | वितानम् | विताने | विताने | वितानि |
| द्वितीया | वितानम् | विताने | विताने | वितानि |

| | | | |
|---------|----------|--------------|------------|
| तृतीया | विताजेण | वितानाभ्याम् | वितानैः |
| चतुर्थी | वितानाय | वितानाभ्याम् | वितानेभ्यः |
| पञ्चमी | वितानात् | वितानाभ्याम् | वितानेभ्यः |
| षष्ठी | वितानस्य | वितानयोः | वितानाणाम् |
| सप्तमी | विताने | वितानयोः | वितानेषु |



17

शब्दरूपाणि

अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

2. (क) सम्बन्धम्, (ख) सात, (ग) सप्तमी।

3. (क) तत्र काः सन्ति?

(ख) स्पर्धाः केवलम् केभ्यः न सन्ति?

(ग) कः द्रष्टुम् न शक्नोति?

(घ) सः कस्य अभावात् न क्रीडति?

(ङ) वयम् सर्वे के मिलामः?

(च) शीघ्रम् केषाम् कृते व्यवस्था भविष्यति?

4. (क) पुस्तक, पञ्चमी, नपुंसकलिंग, पुस्तकात् पुस्तकाभ्याम्, पुस्तकेभ्यः

(ख) कलिका, षष्ठी, नपुंसकलिंग, कलिके, कलिकायोः, कलिकानाम्

(ग) अश्व, चतुर्थी, पुल्लिङ्ग, अश्वाय, अश्वाभ्याम्, अश्वेभ्यः

(घ) युष्मद्, षष्ठी, पुल्लिङ्ग, तव, ते, युवयोः, युष्माकम्, वः

(ङ) अहम्, तृतीया, पुल्लिङ्ग, मया, आवाभ्याम्, अस्माभिः

(च) कवि, षष्ठी, पुल्लिङ्ग, कवेः, कव्योः, कवीनाम्

(छ) भानु, सप्तमी, पुल्लिङ्ग, भानौ, भान्वोः, भानुषु

(ज) तत्, चतुर्थी, पुं०, तस्मै, ताभ्याम्, तेभ्यः

(झ) तत्, पञ्चमी, स्त्री०, तस्याः, ताभ्याम्, ताभ्यः

(ञ) एतत्, द्वितीया, पुं०, एतम्, एनम्, एतौ, एनौ, एतान्, एनान्

(ट) एतत्, तृतीया, स्त्री०, एतया, एनया, एताभ्याम्, एतैः

(ठ) किम्, सप्तमी, नपुंसक०, कस्मिन्, कयोः, केषु

5. (क) मम, (ख) युष्माकम्, (ग) युवयोः, (घ) अस्माकम्, (ङ) आवयोः,

(च) तव।

□ क्रियाकलापम्

| | | | |
|-----------------|---|------------------|-----------------|
| 1. | अकारांत-पुंल्लिङ्ग शब्दः-बालक | | |
| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमा | बालकः | बालकौ | बालकाः |
| द्वितीया | बालकम् | बालकौ | बालकान् |
| तृतीया | बालकेन | बालकाभ्याम् | बालकैः |
| चतुर्थी | बालकाय | बालकाभ्याम् | बालकेभ्यः |
| पञ्चमी | बालकात् | बालकभ्याम् | बालकेभ्यः |
| षष्ठी | बालकस्य | बालकयोः | बालकानाम् |
| सप्तमी | बालके | बालकयोः | बालकेषु |
| 2. | आकारांत-स्त्रीलिङ्ग-शब्दः-बालिका | | |
| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमा | बालिका | बालिके | बालिकाः |
| द्वितीया | बालिकाम् | बालिके | बालिकाः |
| तृतीया | बालिकया | बालिकाभ्याम् | बालिकाभिः |
| चतुर्थी | बालिकायै | बालिकाभ्याम् | बालिकाभ्यः |
| पञ्चमी | बालिकायाः | बालिकाभ्याम् | बालिकाभ्यः |
| षष्ठी | बालिकायाः | बालिकयोः | बालिकानाम् |
| सप्तमी | बालिकायाम् | बालिकयोः | बालिकासु |
| 3. | अकारांत नपुंसकलिङ्ग शब्दः-पुष्प | | |
| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमा | पुष्पम् | पुष्पे | पुष्पाणि |
| द्वितीया | पुष्पम् | पुष्पे | पुष्पाणि |
| तृतीया | पुष्पेण | पुष्पाभ्याम् | पुष्पैः |
| चतुर्थी | पुष्पाय | पुष्पाभ्याम् | पुष्पेभ्यः |
| पञ्चमी | पुष्पात् | पुष्पाभ्याम् | पुष्पेभ्यः |
| षष्ठी | पुष्पस्य | पुष्पयोः | पुष्पाणाम् |
| सप्तमी | पुष्पे | पुष्पयोः | पुष्पेषु |
| 4. | इकारांत-पुंल्लिङ्ग-शब्दः-मुनि | | |
| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमा | मुनिः | मुनी | मुनयः |
| द्वितीया | मुनिम् | मुनी | मुनीन् |
| तृतीया | मुनिना | मुनिभ्याम् | मुनिभिः |
| चतुर्थी | मुनये | मुनिभ्याम् | मुनिभ्यः |
| पञ्चमी | मुनेः | मुनिभ्याम् | मुनिभ्यः |

| | | | |
|----------|-------------------------------|------------|----------|
| षष्ठी | मुनेः | मन्योः | मुनीनाम् |
| सप्तमी | मुनौ | मुन्योः | मुनिषु |
| 5. | उकारांत-पुंल्लिङ्ग-शब्दः-भानु | | |
| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमा | भानुः | भानू | भानवः |
| द्वितीया | भानुम् | भानू | भानून् |
| तृतीया | भानुना | भानुभ्याम् | भानुभिः |
| चतुर्थी | भानवे | भानुभ्याम् | भानुभ्यः |
| पञ्चमी | भानोः | भानुभ्याम् | भानुभ्यः |
| षष्ठी | भानोः | भान्वोः | भानूनाम् |
| सप्तमी | भानौ | भान्वोः | भानुषु |

18

धातुरूपाणि

अभ्यासकंठी

□ मौखिकम्

1. छात्र स्वयं करें।

□ लिखितम्

2. (क) दस लकारों में, (ख) लकार-पुरुष-वचन में, (ग) भविष्यत्काल की, (घ) वर्तमानकाल की।
3. (क) वे बालिका प्रसन्न थीं।
(ख) भिखारियों को भोजन माँगना चाहिए।
(ग) मैं उत्सव में उपस्थित न होऊँगा।
(घ) तुम्हें सदैव समय पर पढ़ना और समय पर खेलना चाहिए।
(ङ) बालिके! तुम सुन्दरी हो।
(च) हम सब बालक गाँव को जायेगे।
4. (क) माम् प्रातः धावेयम्।
(ख) भिक्षुकः भिक्षां याचति।
(ग) त्वं सदा असत् वदसि।
(घ) ज्ञानाय पुस्तकं पठत।
(ङ) किं त्वं उद्याने गमिष्यसि?
(च) मेघाः गर्जन्ति।
(छ) शिशुः विद्यालये पठति।

□ क्रियाकलापम्

1. धातुओं के नाम

पठ्

धाव्

चल्

हस्

क्रीड्

तिष्ठ्

खाद्

चर्

रच्

पश्य्

भू

गच्छ्

कथ्

लिख्

यच्छ्

भक्ष्

वद्

नय्

कर्ष्

अर्पय्

तर्

रट्

पृच्छ्

इच्छ्

दद्

2. छात्र स्वयं करें।

हिन्दी-अर्थ

पढ़ना

दौड़ना

चलना

हँसना

खेलना

बैठना

खाना

चरना

बनाना

देखना

होना

जाना

कहना

लिखना

देना

खाना

बोलना

लाना

जोतना

अर्पण करना

तैरना

रटना

पूछना

इच्छा होना

देना

